हरति सागर: हरति पत्तन दशिा-नर्दिेश 2023

प्रलिम्सि के लयि:

हरति सागर: हरति पत्तन दशिा-नर्दिेश 2023, [ज़ीरो कार्बन उत्सर्जन लक्ष्य](), सागर श्रेष्ठ सम्मान पुरस्कार, ग्रीन रपिोर्टगि इनीशएिटवि (GRI) मानक

मेन्स के लयि:

हरति सागर: हरति पत्तन दशिा-नर्दिेश 2023, [ज़ीरो कार्बन उत्सर्जन लक्ष्य]()

चर्चा में क्यों?

हाल ही में **पत्तन, पोत परविहन एवं जलमार्ग मंत्रालय** ने [ज़ीरो कार्बन उत्सर्जन लक्ष्य]() को प्राप्त करने के लयि **'हरति सागर' हरति पत्तन दशिा-नर्दिेश 2023** लॉन्च कयिा है।

- वभिन्नि परचािलन मापदंडों में असाधारण उपलब्धयिों के लयि प्रमुख पत्तनों को **सागर श्रेष्ठ सम्मान पुरस्कार** भी प्रदान कयिा गया।

हरति सागर दशिा-नर्दिेश 2023:

- **परचिय:**
  - हरति सागर एक संस्कृत शब्द है जसिका अर्थ है **"हरति महासागर"**। यह **भारत के पत्तनों को पर्यावरण के अधकि अनुकूल और टकिाऊ बनाने के दृष्टकिोण** को दर्शाता है।
  - यह पत्तनों से संबंधति [राष्ट्रीय हरति हाइड्रोजन मशिन]() के पहलुओं, हरति हाइड्रोजन सुवधिा के वकिास, LNG बंकरगि और अपतटीय पवन ऊर्जा सहति अन्य पहलुओं को भी कवर करता है।
  - ये दशिा-नर्दिेश **वैश्वकि ग्रीन रपिोर्टगि इनशिएिटवि (GRI) मानक को अपनाने का प्रावधान** भी प्रदान करते हैं।
- **उद्देश्य:**
  - [नवीकरणीय ऊर्जा](), [जल संरक्षण,]() **जैववविधिता संरक्षण और** [जलवायु लचीलापन]() जैसे हरति पत्तन वकिास और संचालन के लयि सर्वोत्तम प्रथाओं एवं प्रौद्योगकियिों को बढ़ावा देना।
  - पत्तन संचालन द्वारा शून्य अपशष्टि नर्विहन लक्ष्य प्राप्त करने हेतु **रड्यिूस, रयिूज़, रपिरपोज़ और रसिाईकल** के माध्यम से कचरे को कम करना।
  - **वभिन्नि संकेतकों और मापदंडों** के आधार पर पत्तनों के **पर्यावरणीय प्रदर्शन का आकलन और बेंचमार्कगि** नर्धिारति करने के लयि एक **रेटगि प्रणाली स्थापति** करना।
  - **पर्यावरणीय उत्कृष्टता और स्थरिता** के उच्च मानकों को प्राप्त करने वाले **पत्तनों को प्रोत्साहति करना और पहचानना**।
  - पत्तन के बुनयिादी ढाँचे और सेवाओं की योजना, डज़िाइन, नर्मिाण, संचालन एवं रख-रखाव में हरति पत्तन सद्धिांतों के एकीकरण की सुवधिा प्रदान करना।
- **महत्त्व:**
  - यह [पेरसि समझौते]() एवं [सतत् वकिास लक्ष्यों]() के साथ-साथ [जलवायु परविर्तन पर राष्ट्रीय कार्ययोजना]() और [स्वच्छ भारत मशिन]() जैसी राष्ट्रीय नीतयिों तथा पहलों के तहत भारत की प्रतबिद्धताओं के अनुरूप है।
  - इसके तहत एक ज़म्मिेदार **समुद्री राष्ट्र के रूप में भारत की छवि एवं प्रतष्ठिा को बढ़ाने** की अपेक्षा की जाती है जो अपने पर्यावरण और लोगों की परवाह करता है।
  - इससे पत्तन क्षेत्र में **नवाचार, नविेश, रोज़गार और सहयोग के नए अवसर** सृजति होने की उम्मीद है।
- **लाभ:**
  - **दक्षता, वशि्वसनीयता, सुरक्षा और सेवा की गुणवत्ता** में सुधार कर **पत्तनों की प्रतस्पिर्द्धात्मकता और आकर्षण** को बढ़ाना।
  - संसाधनों के इष्टतम उपयोग और अपशष्टि को कम करके **परचिालन लागत को कम करना** तथा **पत्तनों की राजस्व अर्जति करने की क्षमता में वृद्धि** करना।
  - **पर्यावरण अनुपालन** में सुधार।

- ◦ **[ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन]**, **वायु प्रदूषण, ध्वनि प्रदूषण, जल प्रदूषण** और **[समुद्री अपशिष्ट]** को कम करके पर्यावरणीय प्रभावों एवं बंदरगाहों के जोखिम को कम करना।
- ◦ कम कार्बन और **[चक्रीय अर्थव्यवस्था]** (Circular Economy- CE) में परिवर्तन का समर्थन करके सतत् विकास एवं जलवायु कार्रवाई के राष्ट्रीय तथा वैश्विक लक्ष्यों में योगदान देना।

कार्यान्वयन की चुनौतियाँ और बाधाएँ:

- बंदरगाह हितधारकों के बीच **जागरूकता और क्षमता** की कमी।
- विभिन्न एजेंसियों और क्षेत्रों के बीच **समन्वय एवं सहयोग** का अभाव।
- **बंदरगाहों के पर्यावरणीय पहलुओं पर अपर्याप्त डेटा** और जानकारी।
- **पर्यावरण अनुपालन के लिये कमज़ोर प्रवर्तन** और निगरानी तंत्र।

हरित पत्तन के विकास हेतु भारत के प्रयास:

- **पहल:**
  - **हरित पत्तन पुरस्कार, हरित बंदरगाह पॉलिसी और सागरमाला कार्यक्रम।**
- **लक्ष्य निर्धारित करना:**
  - बंदरगाहों में नवीकरणीय ऊर्जा की हिस्सेदारी बढ़ाना, **प्रति टन कार्गो के संचालन में कार्बन उत्सर्जन को कम करना और बंदरगाह संचालन के लिये हरित ईंधन** एवं प्रौद्योगिकियों को अपनाना।
- **पायलट देश के रूप में चयन:**
  - ग्रीन शिपिंग से संबंधित **एक पायलट परियोजना का संचालन करने के लिये भारत को IMO ग्रीन वॉयज 2050 (Green Voyage 2050) परियोजना** के तहत पहले देश के रूप में चुना गया।

सागर श्रेष्ठ सम्मान पुरस्कार:

- **भारत** में प्रमुख बंदरगाहों को विभिन्न **परिचालन मापदंडों में उनकी उत्कृष्ट उपलब्धियों के लिये** बंदरगाह, नौवहन और जलमार्ग मंत्रालय द्वारा **सागर श्रेष्ठ सम्मान पुरस्कार** प्रदान किया जाता है।
- यह पुरस्कार उन बंदरगाहों को मान्यता देता है जो पर्यावरणीय उत्कृष्टता और स्थिरता के उच्च मानकों को प्रदर्शित करते हैं।

वित्त वर्ष 2022-23 के लिये पुरस्कार:

//

निष्कर्ष:

- हरित सागर दिशा-निर्देश एक दूरदर्शी पहल है जो भारतीय बंदरगाह क्षेत्र को बदल देगा और इसे बदलती जलवायु और बाज़ार की स्थितियों के मुकाबले अधिक टिकाऊ और लचीला बना देगा।
- **दिशा-निर्देशों से न केवल बंदरगाहों बल्कि पर्यावरण और समाज को भी बड़े पैमाने** पर लाभ होगा।
    - वे एक ज़िम्मेदार समुद्री राष्ट्र के रूप में भारत की छवि और प्रतिष्ठा को भी बढ़ाएंगे जो अपने पर्यावरण और लोगों की परवाह करता है। हरित सागर **दिशा-निर्देश का एक उदाहरण यह है कि भारत किस तरह हरित बंदरगाह विकास और संचालन** में अग्रणी है।

स्रोत: पी. आई. बी.

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/harit-sagar-the-green-port-guidelines-2023